VALEDICTORY FUNCTION ON THE EVE OF FOUNDATION DAY NATIONAL SYMPOSIUM ON "FRONTIERS AND APPLICATION OF BIOTECHNOLOGY" 29TH JUNE 2010 AT C.S.R.D. PEOPLE'S GROUP, BHOPAL (M.P.)

पीपुल्स समाचार भोपाल, गुरुवार 1 जुलाई 2010

वैज्ञानिक अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (सी.एस.आर.डी.), पीपुल्स ग्रुप द्वारा संस्थान की द्वितीय वर्षगांठ पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''फाउंडेशन डे सिम्पोजियम ऑन फ्रन्टियर्स एंड एप्लिकेशन ऑफ बायोटेक्नोलॉजी'' का समापन समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन-समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. विजय अग्रवाल, संचालक, एनआईटीटीटीआर और अरूण गुर्टू, पूर्व आईपीएस एवं डायरेक्टर एचआरडी पीपुल्स ग्रुप थे। मेघा विजयवर्गीय, कार्पोरेट डायरेक्टर पीपुल्स-ग्रुप इस कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. एसएस सन्धू, डायरेक्टर सीएसआरडी ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया और उनके परिचय उपरान्त उन्हें श्रीफल, शाल, एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए।

सिम्पोजियम के समापन समारोह में मेघा विजयवर्गीय कार्पोरेट डॉयरेक्टर पीपुल्स ग्रुप एवं एनआईटीटीटीआर के डायरेक्टर प्रो. विजय कुमार अग्रवाल उपस्थित थे।

जाना और समझा शिक्षा का बदलाव

यंग रिपोर्टर

सिम्पोजियम के समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में शिक्षा के महत्व एवं शिक्षण पद्धति के विषय में बताया एवं शिक्षण प्रणाली में विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन के विषय में जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि मेघा विजयवर्गीय कार्पोरेट डॉयरेक्टर पीपुल्स ग्रुप ने ग्रुप के दृष्टिकोण एवं शिक्षण-संस्थानों में चल रही विविध गतिविधियों को बताया और प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया। अरूण गुरटु, पूर्व आईपीएस ने रिसर्च के महत्व एवं उसकी बारीकियों और इस क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। विज्ञान की प्रगति में राष्ट्रीय संगोष्ठियों की भूमिका एवं महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में देशभर के गणमान्य व्यक्ति सादर आमंत्रित किए गए थे और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों ने यहां अपना व्याख्यान प्रस्तुत किए, जिसमें डॉ. एसके मुखर्जी, वेल्कम ट्रस्ट यूके, डॉ. आर एस वर्मा, आईआईटी चेन्नई, डॉ. एनसी मिश्रा आईआईटी, रूड़की, डॉ. एच मालवीय, सीरम इंस्टीट्यूट और डॉ. अनिल गुप्ता एन्जाईम इण्डिया नासिक प्रमुख थे।

28 जून को हुई पोस्टर-प्रतियोगिता में विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर भाग लिया था। इस पोस्टर-प्रतियोगिता के विजेताओं को समापन-समारोह में अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। पोस्टर प्रतियोगिता के निर्णायकगण डॉ. ऋचा सूद, एचएसएडीएल, डॉ. पुनीत गांधी, बीएमएचआरसी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

प्रथम-कोटि की पोस्टर-प्रतियोगिता में ग्रुप-ए में जिसका विषय मेडिकल बॉयोटेक्नोलॉजी एन इनसाईट टू फ्यूचर था, प्रथम पुरस्कार वी गुरजर, बीएमएचआरसी को प्राप्त हुआ और द्वितीय पुरस्कार ज़ेबा खान, बीएमएचआरसी को एवं तृतीय पुरस्कार प्रोतिती बॉस, बीएमएचआरसी ने प्राप्त किया।

पोस्टर प्रतियोगिता के ग्रुप-बी में जिसका विषय ''एम्पीरियल एनालिसिस ऑफ बायोटेक्नोलॉजी'' था प्रथम पुरस्कार सुष्मित कोष्ठा, आरजीपीवी, द्वितीय पुरस्कार पारूल वर्मा, बीयू और तृतीय पुर स्कार आंचल गर्ग, बीएमएचआरसी को प्राप्त हुआ और प्रशंसनीय-पोस्टर्स एवं प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इसी श्रंखला में गत वर्ष सीएसआरडी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पीपुल्स डेंटल कॉलेज के पीजी छात्र डॉ. चन्द्रेश शुक्ला जो पिछले वर्ष पोस्टर प्रतियोगिता में युवा-वैज्ञानिक पुरस्कार के विजेता रहे थे। उन्होंने थ्री डी बायो प्लॉटर विषय को इंटरनेशनल डेन्टल कान्फ्रेन्स यूरोप में प्रस्तुत किया, जहां उन्हें द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। उनकी इस उपलब्धि पर सीएसआरडी के डॉयरेक्टर प्रो. एस एस सन्धू ने सम्मानित किया। कार्यक्रम की संध्या को छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

संस्थान द्वारा पर्यावरण बचाने एवं वृक्ष-क्षरण को रोकने के लिए ''इलेक्ट्रॉनिक-सोवेनियर'' के विमोचन का निर्णय लिया गया था इसलिए इस अवसर पर सीडी के रूप में सोवेनियर का विमोचन किया गया। इसी कार्यक्रम में प्रो. एसएस सन्धू द्वारा लिखित पुस्तक ''रिकॉम्बीनेन्ट डी.एन.ए. टेक्नॉलॉजी'' जो कि विश्वविख्यात प्रकाशक आई के इंटरनेशनल द्वारा प्रकाशित है का विमोचन किया गया। यह जैव-प्रोद्योगिकी के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए एक बहुउपयोगी पुस्तक है।

वैज्ञानिक अनुसंधान एवं विकास केन्द्र एक अत्याधुनिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण का केन्द्र है जिसका उद्घाटन भारत की राष्ट्रपति प्रतिभा देवीसिंह पाटील द्वारा 29 जून 2008 को किया गया। केन्द्र की स्थापना आधुनिक अनुसंधान का चिकित्सा विज्ञान में उपयोग की संकल्पना एवं कार्यान्वियन हेतु की गई। इसीलिए, सीएसआरडी, पीपुल्स ग्रुप के योग्य वैज्ञानिकों का वृहद अनुभव एवं अनुसंधान-कौशल का उपयोग आवश्यक स्वास्थय सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए नवीन तकनीक के विकास, शिक्षा एवं जन-प्रशिक्षण में किया जा रहा है।

यह अनुसंधान केन्द्र मानव कल्याण की दिशा में अग्रसर है साथ ही सूक्ष्म जीवविज्ञान चिकित्सा (मेडिकल माइक्रोबायलॉजी), प्रतिरक्षा विज्ञान (इम्यूनोलॉजी), जैव रसायन (बायोकैमिस्ट्री), आण्विक जीवविज्ञान (मॉलिक्यूलर बायलॉजी), आनुवंशिकी (जेनेटिक्स) एवं (स्टेम सेल टेक्नॉलॉजी) के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट स्थान रखता है। प्रो. एस. एस. सन्धू, डीएससी, एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक हैं जो इस वैज्ञानिक केन्द्र का गत् दो वर्षों से सफल संचालन कर रहे हैं, आपको 27 वर्षों का वृहत अनुसंधान-ज्ञान प्राप्त है। उनका जैव-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दिया गया योगदान प्रशंसनीय एवं सराहनीय है। यह उनका चिंतन एवं अनुसंधान-अनुभव एवं श्री सुरेश एन. विजयवर्गीय का वृहद दर्शन ही है जिसके फलस्वरूप सीएसआरडी विकसित हो सका।

मंच का संचालन डॉ. सदफ कुरैशी एवं नीतिका जैन ने किया। कार्यक्रम के समापन समारोह के अंत में डॉ. सी.बी.एस दांगी, वैज्ञानिक, सी.एस.आर.डी. द्वारा धन्यवाद अभिभाषण प्रेषित किया गया।